सृजनात्मक बालकों की प्रमुख विशेषताएँ
(Main Characteristics of Children)

शैक्षिक दृष्टि से सृजनात्मक बालकों की पहचान करना अत्यन्त आवश्यक और महत्वपूर्ण होता है। इनकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नांकित हैं:-

1. **ग्रहणशीलता:-** इस प्रकार का बालक सभी गुणों को शीघ्रतापूर्वक ग्रहण करके उनका उपयोग भी करने लगता है। सभी कार्यों को वह विधिवत् करता है।

2. **साहचर्य:-** सृजनात्मक बालक एक विषय का अन्य विषय के साथ साहचर्य स्थापित करता है। किसी विशेष परिस्थिति में साहचर्य से विषय का ज्ञान प्राप्त करता है।

3. **मौलिकता:-** परम्परा से हटकर या परम्परा के साथ साहचर्य स्थापित करते हुए मौलिक कार्य करना।

4. **बौद्धिक स्तर:-** इन बालकों में बौद्धिक स्तर उच्च होता है। प्राय: बौद्धिक स्तर प्रतिभाशाली बालकों की तरह ही होता है परन्तु यह निश्चित नहीं किया जा सकता है कि प्रतिभाशाली बालक सृजनशील होगा।

5. **माध्यम:-** किसी माध्यम के द्वारा ही बालक अपनी सृजनशीलता प्रस्तुत करता है। इसके लिए चिन्तन, तर्क कल्पना, स्वप्न कार्य, लेखन, वाचन, अध्यापन एवं अन्य क्रियाओं को माध्यम बनाता है।

6. **केन्द्राभिमुख चिन्तन:-** अपने लक्ष्य या उद्देश्यों को निश्चित करके कार्य की ओर प्रवृत्त होना।

7. **अनुकूलता:-** किसी भी प्रकार की परिस्थिति को अनुकूल बनाना।

8. **आदर्शात्मक दृढ़ता:-** सृजनशील बालक अपने कार्यों व प्रयोगों को एक आदर्श रूप देता है। कार्य में अत्यधिक तल्लीन हो जाता है। वह अपने कार्य अत्यन्त तत्परता एवं दृढ़ता के साथ करता है।

P.T.

Scanned with CamScanner

9. सोच की निरन्तरता :- सृजनात्मक बालक व्यावहारिक होता है। यह अवस्था या समयानुसार व्यवहार में परिवर्तन लाता है।

10. स्मृति :- सृजनशील बालकों की स्मरणशक्ति या याद्दाश्त अत्यन्त तीव्र होती है। इनकी तात्कालिक व स्थायी स्मरणशक्ति दोनों ही बहुत तीव्र होती है।

11. साहसिकता :- सृजनशील बालकों की प्रवृत्ति नई सूझ बूझ एवं साहस के साथ कार्य करने की होती है। किसी कार्य में असफल हो जाने पर भी सदैव हिम्मत एवं साहस के साथ कार्य में आगे बढ़ता है। हमेशा नवीन व मौलिक कार्य को करने की प्रवृत्ति होती है।

12. आत्मविश्वास :- किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए आत्मविश्वास का होना परमावश्यक है। सृजनशील बालक विपरीत परिस्थितियों में अनेक बाधाओं के आने पर भी वे विचलित नहीं होते। धैर्यपूर्वक, परिस्थिति से सामंजस्य स्थापित करते हुए आत्मविश्वासपूर्वक कार्य करते हैं।

13. परीक्षण हेतु तत्पर :- सृजनशील बालक किसी भी प्रकार परीक्षण के लिए तत्पर रहता है।

सृजनात्मकता का मापन
(Creativity and Its Measurement)

गिलफोर्ड की तरह टोरेन्स (Torrance) ने भी सृजनात्मकता के मापन के लिए अनेक प्रयास किये और निरन्तरता (Fluency), लोचनीयता (Flexibility), मौलिकता (Originality) तथा विस्तार (Elaboration) के मापन को सृजनात्मकता में महत्वपूर्ण माना है। इनके अतिरिक्त सृजनात्मकता के मापन के लिए कुछ अन्य परीक्षण भी किए गये हैं जिनमें से कुछ प्रमुख परीक्षणों को यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है :-

Scanned with CamScanner

(i) चित्र पूर्ति परीक्षण (Figure Completion Test):-

यह एक मौलिक परीक्षण है। इसमें बालक को कुछ अधूरे चित्र दिये जाते हैं। बालक को कहा जाता है कि वह पूर्ण चित्रों को देखकर अधूरे चित्रों को पूरा करे। इसमें इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बालक मौलिक चित्र बनायें।

(ii) कहानी लेखन (story writing):-

चित्र के आधार पर बालक से कहानी का निर्माण करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद कहानी का शीर्षक लिखने के लिए भी बालक को कहा जाता है।

(iii) वृत्त परीक्षण (circle Test):-

इस परीक्षण में बालक से वृत्त के अन्दर चित्र बनाने के लिए कहा जाता है। बालक चित्र बनाने के लिए वृत्त के अन्दर की जगह पर मनचाहे चित्र बनाता है। इसमें निरन्तरता, लोच, मौलिकता और विस्तार के आधार पर अंक प्रदान किये जाते हैं।

(iv) स्याही के धब्बों द्वारा परीक्षण (Ink Blot Method Test):-

इस परीक्षण में एक सफेद कागज पर स्याही के कुछ धब्बे डाल दिये जाते हैं। बालक इन धब्बों के आधार पर कल्पना करते हैं और उसके आधार पर उनको अंक दिये जाते हैं।

(v) टिन डिब्बों के उपयोग (Unusual uses of Tin cans):-

इस परीक्षण में बालक को खाली डिब्बे दिखाये जाते हैं और उससे कहा जाता है कि वह इन खाली डिब्बों के नवीन उपयोग बतलाये। इसमें डिब्बों की संख्या का कोई बन्धन नहीं रहता।

(vi) प्रोडक्ट सुधार परीक्षण (Product Improvement Test):-

इस परीक्षण में बालक को किसी खिलौने अर्थात् कुत्ते के खिलौने का चित्र छात्र के सम्मुख रखा जाता है, इसमें चाभायों से कुत्ते को बदलने की घटना तथा उपायों को लिखने के लिए कहा जाता है। इस परीक्षण में नूतन विचार की निरन्तरता, लोच, मौलिकता एवं विस्तार के सन्दर्भ में अंक दिये जाते हैं।

P.T.O.

Scanned with CamScanner